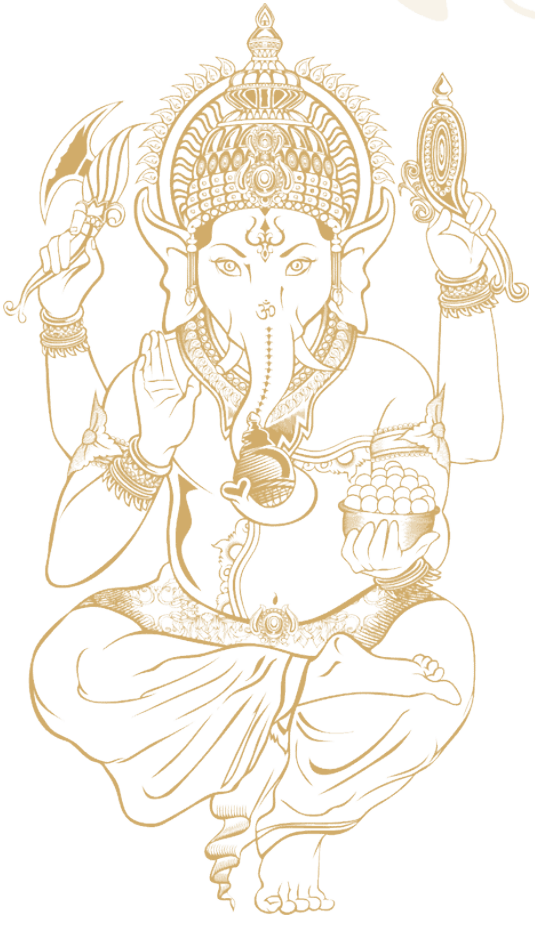

Anshu

Deepak Kumar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121620111

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/10/2003	जन्म तिथि	7-08/05/1998
गुरुवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	04:40:00 घंटे
घटी 33:00:31	जन्म समय(घटी)	57:39:25 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Panipat
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:47	सूर्योदय	05:35:55
17:59:25	सूर्यास्त	19:01:57
23:54:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:54

विंशोत्तरी शनि 4वर्ष 1मा 18दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 4मा 24दि
केतु	23:06:00	मेष	लग्न	मेष	04:25:57	राहु
27/11/2024	21:57:27	कन्या	सूर्य	मेष	23:21:02	30/09/2012
28/11/2031	13:45:53	मीन	चंद्र	कन्या	13:28:03	01/10/2030
केतु 25/04/2025	07:12:33	कुंभ	मंगल	मेष	24:31:42	राहु 13/06/2015
शुक्र 25/06/2026	10:25:11	कन्या	बुध	मीन	27:03:20	गुरु 06/11/2017
सूर्य 31/10/2026	15:08:11	सिंह	गुरु	कुंभ	27:00:46	शनि 12/09/2020
चन्द्र 01/06/2027	05:50:19	तुला	शुक्र	मीन	10:51:59	बुध 01/04/2023
मंगल 28/10/2027	19:05:01	मिथु	शनि	मेष	02:34:22	केतु 19/04/2024
राहु 15/11/2028	26:53:25	मेष व	राहु व	सिंह	14:24:11	शुक्र 19/04/2027
गुरु 22/10/2029	26:53:25	तुला व	केतु व	कुंभ	14:24:11	सूर्य 13/03/2028
शनि 01/12/2030	05:21:10	कुंभ व	हर्ष	मक	18:52:24	चन्द्र 12/09/2029
बुध 28/11/2031	16:32:37	मक व	नेप व	मक	08:19:41	मंगल 01/10/2030
	23:47:27	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:24:07	

लग्न-चलित

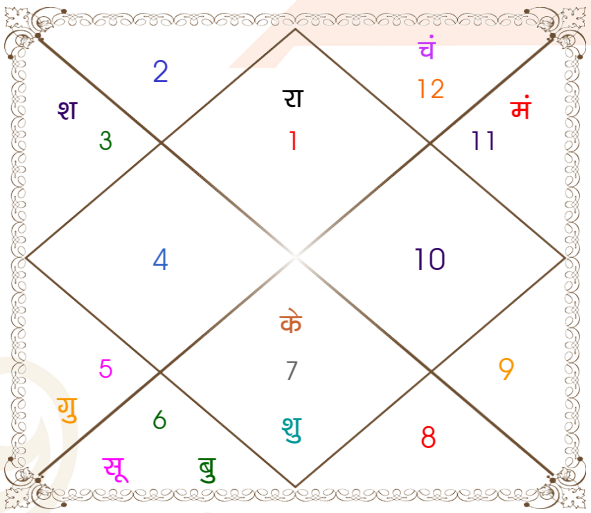

लग्न-चलित

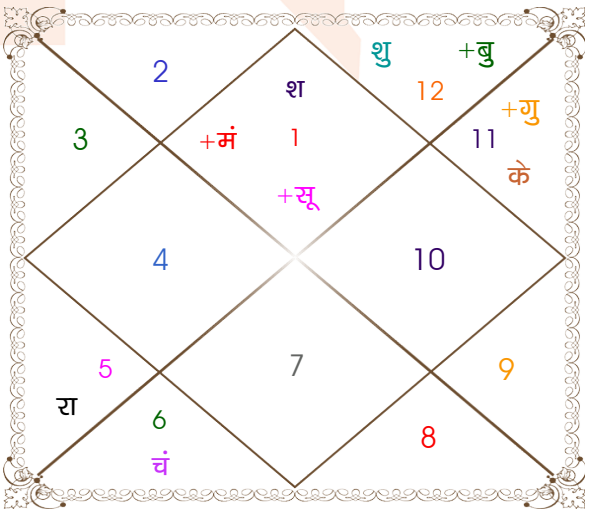

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Anshu का वर्ग सिंह है तथा क्ममचां ज्ञनउंत का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anshu और क्ममचां ज्ञनउंत का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Anshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

क्ममचां ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्ममचां ज्ञनउंत कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्ममचां ज्ञनउंत कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Anshu कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Anshu कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anshu तथा क्ममचां ज्ञनउंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।